GBU CELEBRATES WORLD FOOD DAY 2023

Gautam Buddha University celebrated **"World Food Day"** on October 16, 2023. The function was organized by the University School of Vocational Studies and Applied Sciences with lead contribution from the Department of Food Processing and Technology, and Department of Environmental Science. This year, the World Food Day theme was **"'Water is Life. Water is Food. Leave No One Behind".** This day is celebrated worldwide to commemorate the founding of Food and Agricultural Organization of the United Nations on October 16, 1945.

The Vice Chancellor of Gautam Buddha University Prof. Ravindra Kumar Sinha Ji, Dr. Vishwas Tripathi, Registrar of the University; Prof. N.P. Melkania, Dean-Academics, Dean University School of Vocational Studies and Applied Sciences, and Dean, University School of Biotechnology; Dr. Manmohan Singh, Dean I/C, Student Affairs; Dr. Bhaswati Banerjee, Head, Department of Environmental Science; Dr. Md. Tashfeen Ashraf, Head, Department of Food Processing Technology; Dean of various Schools, Director (Works), Head of different Departments, faculty members, research scholars, students and non-teaching staff were among those who attended the programme.

The event was marked by the remarkable display of different food products, and useful products prepared by using solid waste by the students of Dept. of Food Processing and Technology, and Dept. of Environmental Science, respectively.

For the first time in GBU campus, free-lance companies and organizations, viz., Ecogenics New Delhi; Grainpro Post Harvest Technology Pvt. Ltd. Noida; Chetna Vikas Manch, Bulandshahr; Arjava Nutrition Pvt. Ltd. Noida, and Uttarakhand Organic Commodity Board (Govt. of Uttarakhand) showcased their food products and accessories.

In the inaugural session, Prof. Melkania welcomed the Chief Guest, all the dignitaries and participants, and introduced the theme of the programme to the audience. He emphasized on the status of food and environmental insecurity in the present scenario, and suggested possible course of action to meet the new challenges. Dr. Md. Tashfeen Ashraf, Head, Department of Food Processing and Technology introduced the audience about the programme.

Dr. Ishwar Singh, Principal Scientist, Food and Forage Crops, Indian Council of Agricultural Research was the Chief Guest of the function. In his remarks, Dr. Singh, stressed on the conservation of water, and importance of organic and natural farming. He expressed concern over food insecurity and environmental degradation in Indian sub-continent. According to Dr.

Singh, extensive use of agrochemicals is contaminating the food chain, and leading to adverse health impacts to public at large. The use of biofertilizers, biopesticides and embracing organic farming may lessen this problem significantly. He also highlighted the necessity to cultivate indigenous/native food crops like Basmati rice, wheat, maize and millets in non-traditional/new areas to promote their production.

In his Presidential address, Prof. Ravindra Kumar Sinha, Vice Chancellor, GBU appreciated the participation of various organizations and food companies for displaying their products. He called upon all the organizations and invited speakers for a collaborative effort as a **"change maker"** to contribute for the development of academic and research temper of the University. Prof. Sinha highlighted the importance of water in agriculture and environment. He called upon University research fraternity to conduct research on the production of green hydrogen energy as a sustainable fuel by utilising water. Prof. Sinha inaugurated ***"Nutri-Food Club"*** at the Department of Food Processing and Technology for promotion of entrepreneurial skills among the students at the Departmental level. Prof. Sinha shared valuable insights into the prospects of marketing and commercialization of the innovative products that can be produced by the Nutri-Food Club.

The invited speakers Dr. Vachaspati Pandey, Dr. Nagma Abbasi and Ms. Anjali Sharma deliberated on topical issues like Organic Certification Systems in India, Transgenic Crops and Food Security, and Community-led water conservation, respectively.

Students from the Gautam Buddha University, other universities and Higher Secondary Schools located around Gautam Buddha University, participated actively and enthusiastically in events conducted to mark the World Food Day 2023. The winners of various literary and co-curricular activities were awarded for their progressive efforts.

Kunal (M.Sc. FPT, GBU) and Shikha (11^{th}, J.P. International School) won first prize in Poster Competition under Senior category and Junior category, respectively. Sameeksha (B.Tech. CS, GBU) and Varun Verma (12^{th} RKPS School, Greater Noida) won the first prize in Logo Design Competition under Senior category and Junior category, respectively. Mini Verma (M.Sc. Environmental Science, DoES, GBU) and Yugam Bhati (12^{th}, RKP School, Greater Noida) won first prize in Essay Writing Competition.

Image Legend: Dignitaries sharing the stage during the World Food Day Function organized at GBU on October 16, 2023. (L-R), Dr. Md.Tasfeen Ashraf, Head, Department of Food Processing and Technology; Prof. N.P. Melkania, Dean, University School of Vocational Studies and Applied Sciences; Dr. Ishwar Singh, Principal Scientist, Food and Forage Crops, Indian Council of Agricultural Research; Prof. RK Sinha, Vice Chancellor, GBU, and Dr. Bhaswati Banerjee, Head, Department of Environmental Science

जी बी यू में विश्व खाद्य दिवस मनाया गया

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने 16 अक्टूबर, 2023 को "**विश्व खाद्य दिवस**" मनाया। यह समारोह खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी विभाग और पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रमुख योगदान के साथ यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा आयोजित किया गया । इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम थी "**जल ही जीवन है, जल ही भोजन है।" किसी को पीछे न छोड़ें**"। यह दिन 16 अक्टूबर, 1945 को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना की याद में दुनिया भर में मनाया जाता है।

डॉ. ईश्वर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, खाद्य एवं चारा फसलें, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा जी, डॉ. विश्वास त्रिपाठी, विश्वविद्यालय के कुलसचिव; प्रो. निरंजन प्रकाश मेलकानिया, डीन-अकादमिक, डीन स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज, और डीन, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी; डॉ. मनमोहन सिंह, डीन आई/सी, स्टूडेंट अफेयर्स; डॉ. भास्वती बनर्जी, प्रमुख, पर्यावरण विज्ञान विभाग; डॉ. मोहम्मद ताशफीन अशरफ, प्रमुख, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी विभाग; कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के डीन, विभिन्न विभागों के प्रमुख, संकाय सदस्य, शोध छात्र, छात्र और गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल थे।

इस कार्यक्रम में क्रमशः खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी विभाग और पर्यावरण विज्ञान विभाग के छात्रों द्वारा ठोस अपशिष्ट का उपयोग करके तैयार किए गए विभिन्न खाद्य उत्पादों और उपयोगी उत्पादों का उल्लेखनीय प्रदर्शन किया गया। जीबीयू परिसर में पहली बार, फ्री-लांस कंपनियां और संगठन, जैसे, इकोजेनिक्स नई दिल्ली; ग्रेनप्रो पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड नोएडा; चेतना विकास मंच, बुलन्दशहर; आर्जवा न्यूट्रिशन प्रा. लिमिटेड नोएडा और उत्तराखंड ऑर्गेनिक कमोडिटी बोर्ड (उत्तराखंड सरकार) ने अपने खाद्य उत्पादों और सहायक उपकरणों का प्रदर्शन किया।

उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर मेलकानिया ने मुख्य अतिथि, सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और दर्शकों को कार्यक्रम के विषय से परिचित कराया। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में खाद्य और पर्यावरण असुरक्षा की स्थिति पर जोर दिया और नई चुनौतियों से निपटने के लिए संभावित कार्यवाही का सुझाव दिया। खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. मोहम्मद ताशफीन अशरफ ने सभी को कार्यक्रम की विषयवस्तु से परिचित कराया।

डॉ. ईश्वर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, खाद्य एवं चारा फसलें, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद समारोह के मुख्य अतिथि थे। डॉ. सिंह ने अपने उद्बोधन में जल संरक्षण और जैविक एवं प्राकृतिक खेती के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्य असुरक्षा और पर्यावरणीय गिरावट पर चिंता व्यक्त की। डॉ. सिंह के अनुसार, कृषि रसायनों का व्यापक उपयोग खाद्य श्रृंखला को दूषित कर रहा है और बड़े पैमाने पर जनता के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। जैव उर्वरकों, जैव कीटनाशकों के उपयोग और जैविक खेती को अपनाने से यह समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। उन्होंने बासमती चावल, गेहूं, मक्का और बाजरा जैसी स्वदेशी/देशी खाद्य फसलों का उत्पादन गैर-पारंपरिक/नए क्षेत्रों में करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

अपने अध्यक्षीय भाषण में जीबीयू के कुलपति प्रोफेसर रवींद्र कुमार सिन्हा ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न संगठनों और खाद्य कंपनियों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने सभी संगठनों

से आह्वान किया और वक्ताओं को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और अनुसंधान स्वभाव के विकास में योगदान देने के लिए "परिवर्तन निर्माता" के रूप में सहयोगात्मक प्रयास के लिए आमंत्रित किया। प्रो.सिन्हा ने कृषि एवं पर्यावरण में जल के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुसंधान समुदाय से पानी का उपयोग करके टिकाऊ ईंधन के रूप में हरित हाइड्रोजन ऊर्जा के उत्पादन पर अनुसंधान करने का आह्वान किया। प्रोफेसर सिन्हा ने विभागीय स्तर पर छात्रों के बीच उद्यमशीलता कौशल को बढ़ावा देने के लिए खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी विभाग के "न्यूट्री-फूड क्लब" का उद्घाटन किया। प्रो. सिन्हा ने न्यूट्री-फूड क्लब द्वारा उत्पादित किए जा सकने वाले नवीन उत्पादों के विपणन और व्यावसायीकरण की संभावनाओं पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। आमंत्रित वक्ताओं डॉ. वाचस्पति पांडे, डॉ. नगमा अब्बासी और सुश्री अंजलि शर्मा ने क्रमशः भारत में जैविक प्रमाणन प्रणाली, ट्रांसजेनिक फसलें और खाद्य सुरक्षा, और समुदाय के नेतृत्व वाले जल संरक्षण जैसे सामयिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, अन्य विश्वविद्यालयों और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के आसपास स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों ने विश्व खाद्य दिवस 2023 को चिह्नित करने के लिए आयोजित कई कार्यक्रमों में सक्रिय और उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न साहित्यिक और सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के विजेताओं को उनकी प्रगतिशीलता के लिए सम्मानित किया गया। प्रयास। कुणाल (एम.एससी. एफ.पी.टी, जीबीयू) और शिखा (11वीं, जे.पी. इंटरनेशनल स्कूल) ने क्रमशः सीनियर वर्ग और जूनियर वर्ग के तहत पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। समीक्षा (बी.टेक. सी.एस., जीबीयू) और वरुण वर्मा (12वीं आर.के.पी. स्कूल, ग्रेटर नोएडा) ने क्रमशः सीनियर वर्ग और जूनियर वर्ग के तहत लोगो डिजाइन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया । मिनी वर्मा (एम.एस.सी. पर्यावरण विज्ञान, डी.ओ.ई.एस, जीबीयू) और युगम भाटी (12वीं, आर.के.पी स्कूल, ग्रेटर नोएडा) ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

छवि किंवदंती: 16 अक्टूबर, 2023 को जीबीयू में आयोजित विश्व खाद्य दिवस समारोह के दौरान मंच साझा करते हुए गणमान्य व्यक्ति। (बाएं से दाएं), डॉ. मो. ताशफीन अशरफ, प्रमुख, खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी विभाग; प्रोफेसर एन.पी. मेलकानिया, डीन, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज; डॉ. ईश्वर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, खाद्य एवं चारा फसलें, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद; प्रो. आरके सिन्हा, कुलपति, जीबीयू और डॉ. भास्वती बनर्जी, प्रमुख, पर्यावरण विज्ञान विभाग।